मैथिली (प्रतिष्ठा)
बी०ए०(H) पार्ट-III
पेपर - V

डॉ॰ बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक- [illegible]
05-04

1. मैथिली साहित्यक आधुनिक काल :-

आधुनिक शब्द आपेक्षिक थिक। सभयुग अपनाकेँ गत युगसँ आधुनिक बुझैत रहल अछि। तेँ ई कहब कठिन अछि जे आधुनिक युग ककरा कही। चौदहम शताब्दीमे विद्यापति मैथिली भाषाकेँ ततेक आधुनिक बुझलनि आ कहलनि जे संस्कृत आ प्राकृतसँ बेशी मधुर अछि। तहिना चंदा झा बीसम शताब्दीकेँ आधुनिक बुझलनि आओर भुवनजीकेँ आधुनिकता अनबाक गौरव प्राप्त भेलनि। किन्तु ई कहब कठिन अछि जे अमुख कवि आधुनिक छथि। वर्त्तमानमे जे आधुनिक अछि, भविष्यमे आधुनिक नहि रहत।

आधुनिक भारतीय साहित्यक इतिहास 19वीं शताब्दीक वैज्ञानिक अभ्युत्थान, पाश्चात्य जगतसँ परिचय-सम्पर्क, बंग-भंग आओर स्वदेशी आन्दोलनक सक्रिय राष्ट्रीय चेतनाक इतिहास थिक।

पाश्चात्य विचारधारा भारतक बौद्धिक विकासमे गतिवर्द्धक शक्तिक काज कयलक। पाश्चात्य आ भारतीय ज्ञान-विज्ञानक संघर्षक परिणामस्वरूप